अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 21.12.2015

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु विचार दर्शन – 80

प्र.1 किन्हीं 10 प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिये – 10

(क) तेरापंथ के संगठन का आन्तरिक स्वरूप क्या है?

(ख) आचार्य भिक्षु ने गुटबंदी को साधना के लिए क्या कहा है?

(ग) केलवा में सर्वप्रथम तेरापंथी बनने वाले श्रावक कौन थे?

(घ) निवृत्ति का अर्थ क्या है?

(ङ) आचार्य भिक्षु ने हिंसा और अहिंसा का सिद्धान्त किस पर अवलंबित बताया है?

(च) आचार्य भिक्षु को बोधि कब व कहाँ प्राप्त हुई?

(छ) अणुव्रत आन्दोलन के माध्यम से आचार्य तुलसी ने किसका विरोध किया?

(ज) आचार्य भिक्षु को चातुर्मास के मध्य कब व कहाँ विहार करना पड़ा?

(झ) प्राणियों में तीन एषणाएँ मानी गई हैं। उनमें से प्रथम ऐषणा का नाम लिखें।

(ञ) तेरापंथ की शान्तिपूर्ण नीति से कौनसी शक्ति का अर्जन हुआ?

(ट) भगवान महावीर की संघ व्यवस्था में प्रवर्तिनी का क्या अर्थ है?

(ठ) आचार्य भिक्षु ने वर्तमान साधु समाज की शिथिलता का वर्णन किसमें किया है?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दें – 10

(क) जो साधु जीव हिंसा में धर्म बताते हैं उनके महाव्रत टूटते हैं। कैसे?

(ख) आचार्य भिक्षु की धर्म क्रान्ति का आधार क्या था?

(ग) अवीतराग की पहचान के सात बिन्दु कौन से हैं?

(घ) साधु समुदाय में कुल, गण व संघ शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है?

(ङ) आचार्य भिक्षु के शब्दों में करण योग क्या है? तथा उनका विघटन कैसे होता है?

प्र.3 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें – 30

(क) आचार्य भिक्षु की सिद्धान्त वाणी के मौलिक निष्कर्ष क्या है?

(ख) ''धर्म के साथ पुण्य का बंधन होता है पर पुण्य के लिए धर्म नहीं किया जा सकता'' स्पष्ट करें।

(ग) ''आचार्य भिक्षु की संघ व्यवस्था इसलिए प्राणवान है कि वे अनुशासन के पक्ष में बहुत ही सजग थे'' स्पष्ट करें।

(घ) दृष्टांत द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु व्यक्तिगत आलोचना से जितना बचे, उतना विरला ही बच सकता है।

(ङ) आचार्य भिक्षु के लिखित संविधान के अनुसार संघ में रहने का अधिकार किस–किसको है?

(च) दृष्टांत द्वारा सिद्ध करें आचार्य भिक्षु में अपने सिद्धान्त के प्रति जितना आग्रह था, उतना ही दुराग्रह से दूर रहने का तीव्र प्रयत्न था।

(छ) दया पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें – 30

(क) आचार्य भिक्षु के जीवन में घटित घटना प्रसंगों से सिद्ध करें कि ''उनका जीवन विशिष्ट अनुभूतियों का पुंज था।''

(ख) आचार्य भिक्षु द्वारा निर्मित संविधान पर सारगर्भित लेख लिखें।

(ग) ''आचार्य भिक्षु ने जीवन के टुकड़े नहीं किए, उन्होंने जीवन की प्रवृत्तियों के मिश्रण से होने वाली क्षति से लोगों को सावधान किया।'' उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

भिक्षु वाणी – 20

प्र.5 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 8

(क) समचें दान.....भेल सभेली।।

(ख) काच तणा.....कोड्यां मोल।।

(ग) ज्यूं अधर्म.....मांहे चाल्या।।

(घ) खाए पिए.....कोतल छूटा।।

प्र.6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें – 6

(क) कांदा ने.....लागे पास।।

(ख) कालों नाग.....मरण बधारें।।

(ग) तिणनें राजा.....मस्करा खाय।।

(घ) आ तो लाज.....दीघा न्हांख।।

प्र.7 कोई दो पद्य लिखें – 6

(क) धर्म (ख) दुष्कर साधना (ग) कुगुरू (घ) अविवेक